Ex-jail inmate held for stealing blank cheques from storeroom

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, DECEMBER 14

The UT police today arrested a former Burail jail inmate for stealing blank cheques from the jail store room and getting Rs 26.97 lakh transferred to his account after getting released from the jail.

The police had received a complaint from Amandeep Singh, Deputy Superintendent, Model Jail, against Amandeep Singh, alias Aman, a resident of Fatehgarh Sahib district, Punjab, alleging that Aman transferred a sum of Rs 26.97 lakh from the account of Deputy Superintendent Jail to his account fraudulently.

Acting on the complaint, the police had registered a case against him at the Sector

Accused forged signatures

The accused, after getting released from the jail, forged Deputy Superintendent's signatures to deposit the money to his account. The police said during further investigation, the jail records will be scrutinised. The police will also collect the bank record to make the recoveries in the case.

An investigation has been initiated to check whether someone else was also involved in the incident. Further action will be taken accordingly. >>> POLICE OFFICIAL

49 police station. Today, the accused, Amandeep Singh, was arrested in the case.

The police said during investigation, it came to light that the accused stole blank cheques from the jail storeroom where he worked as a helper.

The accused, after getting released from the jail, forged Deputy Superintendent's signatures to deposit the

money to his account.

The police said during further investigation, the jail records will be scrutinised. The police will also collect the bank record to make the recoveries in the case. "An investigation has been initiated to check whether someone else was also involved in the incident. Action will be taken accordingly," said a police official.



एसएसपी ने पास आउट हुए पुलिसकर्मियों को सर्टिफिकेट देकर बढ़ाया मनोबल

कंप्यूटर से कतराएं नहीं, इसे सीखें : जगदले

अमर उजाला ब्यूरो

चंडीगढ़। शहर की पुलिस काफी चुस्त है, लेकिन पुलिसकर्मी कंप्यूटर चलाने से कतराए नहीं बल्कि सीखने के लिए ज्यादा से ज्यादा से प्रयास करें। साइबर अपराध को रोकना कोई बड़ी चुनौती नहीं है। अगर हर एक पुलिसकर्मी चाहे तो इस अपराध पर लगाम लगा सकता है।

यह कहना है एसएसपी नीलांबरी विजय जगदले का। एसएसपी ने शुक्रवार को सेक्टर-26 स्थित पुलिस लाइन आरटीसी में सहबर अपराध की ट्रेनिंग में पास हुए पुलिसकर्मियों को स्टिंफिकेट देकर सम्मानित किया। इस दौरान साइबर सेल डीएसपी रश्मि यादव, इंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे।

शहर में बढ़ते साइबर क्राइम को देखते हुए पुलिस विभाग ने अलग-अलग थानों के



महिला पुलिसकर्मी को सर्टिफिकेट देतीं एसएसपी।

पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया था। ट्रेनिंग के दौरान अलग-अलग बैच बनाए गए। पहले बैच को 3 से 7 और दूसरे बैच को 10 से 14

थानों के पुलिसकर्मी भी कर सकेंगे जांच

ऑनलाइन ठगी और अन्य साइबर क्राइम से जुड़े अपराध साइबर सेल के पास जाता है। लेकिन शहर के अलग-अलग थानों के पुलिसकर्मियों को साइबर अपराध के बारे में ट्रेनिंग देना इसकी मुख्य वजह है कि अगर कोई इस तरह का मामला थाने पहुंचता है तो वह अपने स्तर पर जांच कर सके। जिस बजह से पुलिसकर्मियों को टेंड किया जा रहा है।

तारीख तक ट्रेनिंग दी गई। पहले बैच के 44 और दूसरी बैच के 36 पुलिसकर्मियों ने पास आउट किया। इन दोनों ही बैच में सब इंस्पेक्टर समेत कांस्टेक्ल शामिल थे। दोनों ही बैच के पुलिसकर्मियों को एसएसपी ने सर्टिफिकेट देकर उनका मनोबल बढ़ाया। तीसरा बैच जनवरी में होगा।

Amar Ujala Dt: 15/12/18